SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

वार्षिक प्रतिवेदन
Annual Report 2002-03

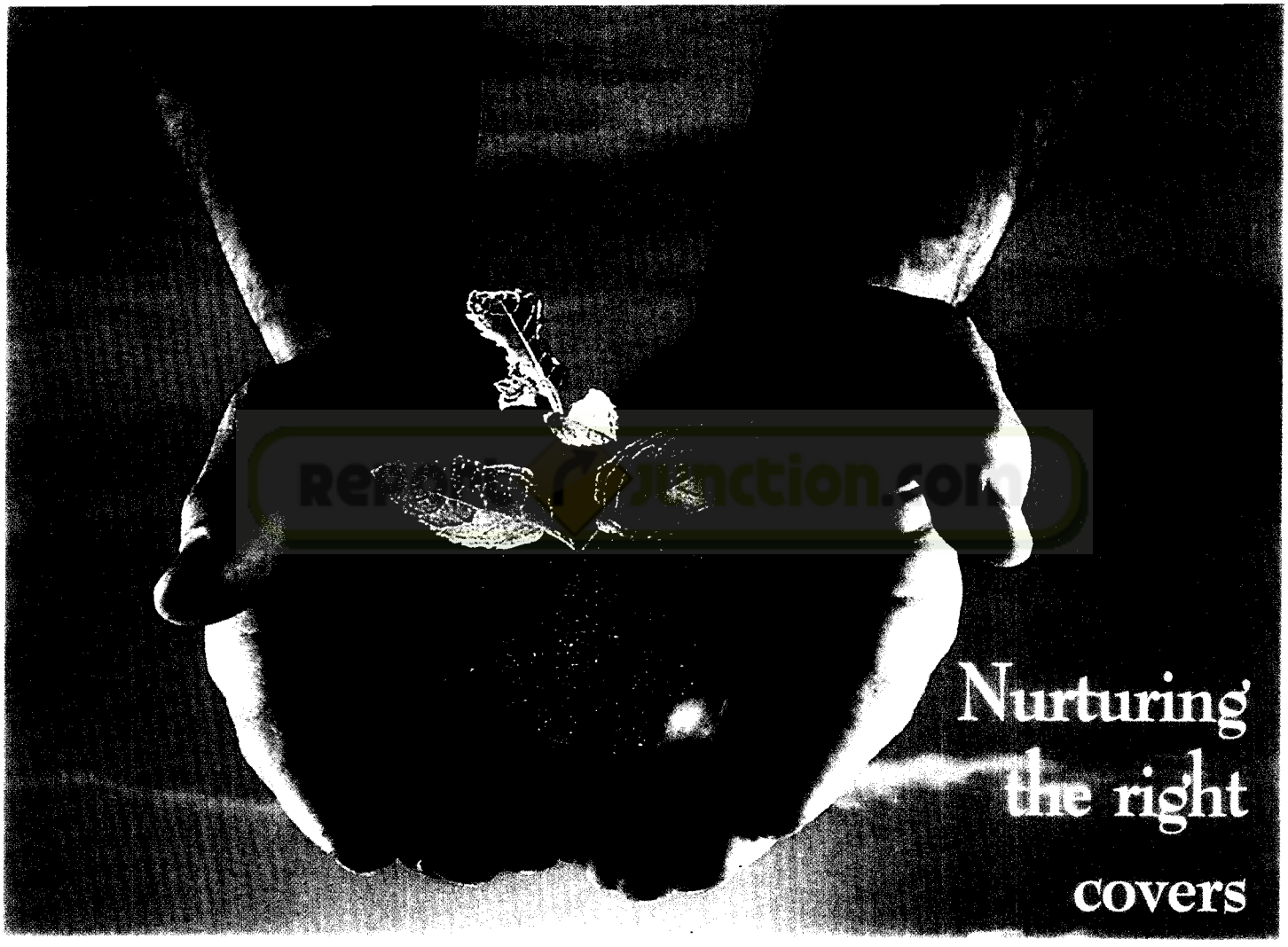

दि न्यू इन्डिया एश्योरन्स कंपनी लिमिटेड

The New India Assurance Company Limited

Estbd. 1919 (भारत सरकार का उपक्रम / A Government of India Undertaking)

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

While Quality and Excellence in 'Customer Care' are the "NATURAL" attributes of our service, the ***uniqueness*** *of each one of our clients and his needs are our first priority. This Idea, Philosophy and Processes required for its delivery run through the arteries of our organization. Thus we "NURTURE" the covers that not only match the needs of each one of our clients, but also exceed his expectations.*

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

अंतर्वस्तु

INSIDE

निदेशक एवं प्रबंधन 2	Directors and Management 3
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के डेस्क से 6	From CMD's Desk 7
निदेशक मंडल की रिपोर्ट 10	Report of the Board of Directors 11
समाज संबंधित योजनाएं - परिशिष्ट - I 64	Annexure I - Socially Relevant Schemes 65
परिशिष्ट - II (कंपनी अधिनियम के खंड 217 (2क) के अंतर्गत सूचना 68	Annexure II - (Information under Section 217(2A) of Companies Act) 69
परिशिष्ट - III (लेखा-पुनरीक्षण और सी. ए. जी. की टिप्पणियाँ) 70	Annexure III - (Review of Accounts and Comments by CAG) 71
निदेशकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक 84	Addendum to Directors' Report 85
प्रबंधन रिपोर्ट 88	Management Report 89
लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट 92	Auditors' Report 93
आय. आर. डी. ए. विनियमन 2002 की अनुसूची 'सी' द्वारा अपेक्षित प्रमाणपत्र (बीमा कंपनियों के वित्तीय विवरण और लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट तैयार करने के लिए) 98	Certificate as required by Schedule 'C' of IRDA Regulations 2002 (for preparation of Financial Statements and Auditors' Report of Insurance Companies) 99
पॉलिसीधारकों और शेयरधारकों की निधि 100	Policyholders' & Shareholders' Funds 101
अग्नि, मरीन और विविध बीमा कारोबार के राजस्व लेखा और अनुसूचियाँ 102	Revenue Accounts & Schedules of Fire, Marine and Miscellaneous Insurance Businesses 103
लाभ और हानि लेखा 114	Profit & Loss Account 115
तुलन पत्र 116	Balance Sheet 117
प्रचालन व्ययों की अनुसूचियाँ और तुलन पत्र अनुसूचियाँ 118	Schedule of Operating Expenses and Balance Sheet Schedules 119
खंड रिपोर्टिंग अनुसूचियाँ 136	Segment Reporting Schedules 137
प्राप्तियाँ और भुगतान लेखा (नकद प्रवाह विवरणी) 140	Receipts and Payments Account (Cash Flow Statement) 141
महत्वपूर्ण लेखागत नीतियाँ 142	Significant Accounting Policies 143
लेखा के हिस्से के रुप में टिप्पणियाँ और प्रगटन 156	Notes and Disclosures forming part of Accounts 157
तुलन पत्र सारांश 182	Balance Sheet Abstract 183
सहायक कंपनियों की वार्षिक रिपोर्ट	**Annual Report of Subsidiaries**
दि न्यू इंडिया एश्योरन्स कं. (सियेरा लियोन) लिमिटेड 184	The New India Assurance Co. (Sierra Leone) Limited 185
दि न्यू इंडिया एश्योरन्स कं. (त्रिनिदाद एवं टोबैगो) लिमिटेड 200	The New India Assurance Co. (Trinidad & Tobago) Limited 201
भारत में क्षेत्रीय कार्यालय 234	Regional Offices in India 235
विश्वव्यापी नेटवर्क	Global Net-Work

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक मंडल

आर. बेरी

अध्यक्ष-एवं-प्रबंध निदेशक

निदेशक गण

ए एम शरण, आयएएस *8.6.2003* तक
जी सी चतुर्वेदी, आयएएस *9.6.03* से
नितिन दोशी
डॉ अज़फर शम्शी
ए वी पुरुषोत्तमन
वी लीलाधर
जी आर म्हाइसेकर
आर के जोशी
कुमार बक्रू

महाप्रबंधक एवं वित्तीय सलाहकार

वी के गुप्ता, आयआरएस

महाप्रबंधक

ए वी पुरुषोत्तमन
एम डी गर्दे
कुमार बक्रू
एम के गर्ग

नियुक्त एक्यूअरी

ए आर प्रभु

सहायक महाप्रबंधक एवं कपनी सचिव

ए आर शेखर

सहायक महाप्रबंधक

एस गुहा राय
जे के गुप्ता
एम डी झाला
एस मम्मन
एम डी दामले (श्रीमती)
यू वी शेणॉय
एम ए राममूर्ती
डी आर दायमा
एन के सिंह
ए वी मुरलीधरन
आर डी वरियावा
एस एस खाडीलकर
एस के मुटनेजा
पी मनोकरन
एम ए खरात
वी जे मेहता
के जे प्रभाकर
के जी अरोड़ा

मुख्य सतर्कता अधिकारी

वी रामकृष्णन,
30.9.02 तक

आर बी एल वैश
24.3.2003 से

निवेश समिति

आर बेरी	ए एम शरण, आयएएस *8.6.03* तक	जी सी चतुर्वेदी, आयएएस *19.7.03* से
वी लीलाधर	नितिन दोशी	डॉ अज़फर शम्शी
वी के गुप्ता, आयआरएस	एम के गर्ग	ए आर प्रभु

लेखा परीक्षा समिति

ए एम शरण, आयएएस *8.6.03* तक		जी सी चतुर्वेदी, आयएएस *19.7.03* से
वी लीलाधर	नितिन दोशी	डॉ अज़फर शम्शी

संविधिक लेखा परीक्षक

पी एस डी एण्ड एसोसिएट्स	व्यास एण्ड व्यास	खंडेलवाल जैन एण्ड कं.
सनदी लेखाकार	*सनदी लेखाकार*	*सनदी लेखाकार*

पंजीकृत कार्यालय

न्यू इंडिया एश्योरन्स बिल्डिंग, 87, महात्मा गांधी रोड, फोर्ट, मुंबई - 400 001
वेबसाइट : www.niacl.com

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

BOARD OF DIRECTORS

R Beri
Chairman-cum-Managing Director

DIRECTORS

A M Sharan, IAS, *upto 8.6.2003*
G C Chaturvedi, IAS, *w.e.f. 9.6.03*
Nitin Doshi
Dr Azfar Shamshi
A V Purushothaman
V Leeladhar
G R Mhaisekar
R K Joshi
Kumar Bakhru

GENERAL MANAGER & FINANCIAL ADVISOR

V K Gupta, IRS

GENERAL MANAGERS

A V Purushothaman
M D Garde
Kumar Bakhru
M K Garg

APPOINTED ACTUARY

A R Prabhu

AGM & COMPANY SECRETARY

A R Sekar

ASSISTANT GENERAL MANAGERS

S Guha Ray
J K Gupta
M D Jhala
S Mamman
M D Damle(Smt)
U V Shenoy
M A Ramamoorthy
D R Dayama
N K Singh
A V Muralidharan
R D Variava
S S Khadilkar
S K Mutneja
P Manokaran
M A Kharat
V J Mehta
K J Prabhakar
K G Arora

CHIEF VIGILANCE OFFICER

V Ramakrishnan, *upto 30.9.02*

R B L Vaish, *w.e.f. 24.3.2003*

INVESTMENT COMMITTEE

R Beri
A M Sharan, IAS *upto 8.6.03*
G C Chaturvedi, IAS *w.e.f. 19.7.03*
V Leeladhar
Nitin Doshi
Dr Azfar Shamshi
V K Gupta, IRS
M K Garg
A R Prabhu

AUDIT COMMITTEE

A M Sharan, IAS *upto 8.6.03*
G C Chaturvedi, IAS *w.e.f. 19.7.03*
V Leeladhar
Nitin Doshi
Dr Azfar Shamshi

STATUTORY AUDITORS

P.S.D. & Associates
Chartered Accountants

Vyas & Vyas
Chartered Accountants

Khandelwal Jain & Co
Chartered Accountants

REGISTERED OFFICE

New India Assurance Building, 87, M. G. Road, Fort, Mumbai 400 001.
Website : www.niacl.com

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक मंडल एवं प्रबंधन

आर. बेरी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

निदेशकगण

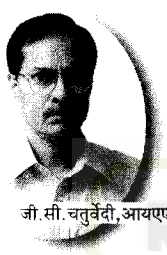

जी.सी.चतुर्वेदी,आयएएस

वी. लीलाधर

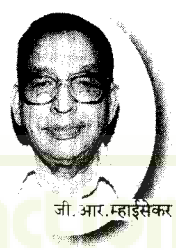

जी.आर.म्हाईसेकर

नितिन दोशी

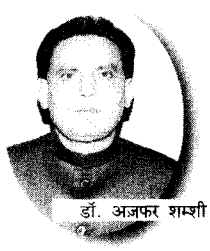

डॉ. अज़फर शम्शी

आर. के. जोशी

ए. वी. पुरुषोत्तमन

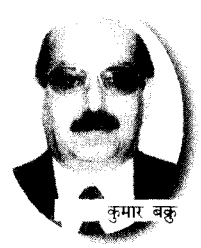

कुमार बक्षु

महाप्रबंधक गण

मु.स.अ.

वी. के. गुप्ता

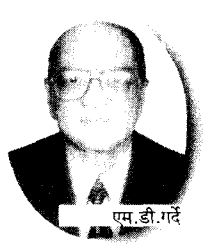

एम.डी.गर्दे

एम. के. गर्ग

आर.बी.एल.वैश

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

Board Of Directors & Management

R. Beri
Chairman-cum-Managing Director

Directors

G. C. Chaturvedi, IAS

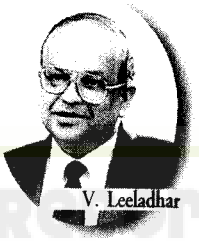

V. Leeladhar

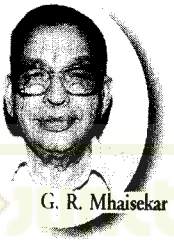

G. R. Mhaisekar

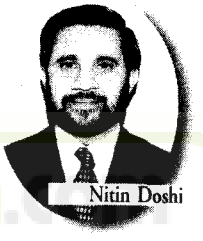

Nitin Doshi

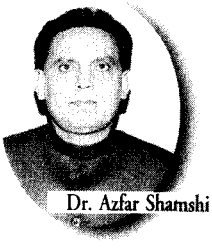

Dr. Azfar Shamshi

R. K. Joshi

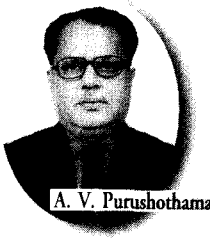

A. V. Purushothaman

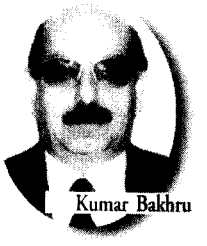

Kumar Bakhru

General Managers

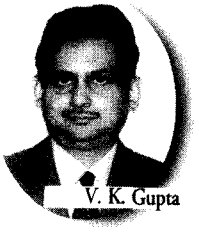

V. K. Gupta

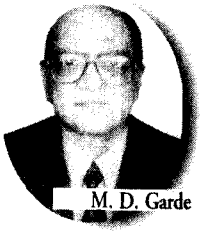

M. D. Garde

M. K. Garg

CVO

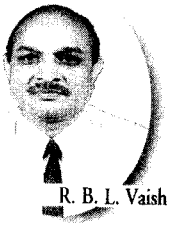

R. B. L. Vaish

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की डेस्क से

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की डेस्क से

बाह्य और अंतरिक दोनों क्षेत्रों में अनेक प्रतिकूल परीस्थितियों के बावजूद 2002-03 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। 2003 के दौरान विकसित देशों में मंदी, विश्व अर्थव्यवस्था में निष्क्रियता का कारण भू-राजनैतिक अशांति और आतंकवाद का खतरा था। तथापि, भारतीय अर्थव्यवस्था में विनिर्माण क्षेत्र ने गति पकड़ी जिसने पिछले वर्ष के 4.00% वृद्धि की तुलना में 6.20% वृद्धि दर्ज की और सेवा क्षेत्र में पिछले वर्ष की 6.3% की तुलना में इस वर्ष 7.5% की वृद्धि दर्ज हुई। यह उत्साही वृद्धि अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत था परंतु पिछले 15 वर्षों में इस वर्ष देश को सूखे का सामना करना पड़ा जिससे कृषि और अन्य संबद्ध गतिविधियों में होने वाली कमी के कारण वास्तविक जी डी पी में कमी आयी। कृषि क्षेत्र में आपूर्ति के गंभीर आघात के बावजूद डी जी पी में हुई 4.3% की वृद्धि लचीलेपन की लक्षणात्मक वृद्धि और अर्थव्यवस्था में हुई मौसम-सह की डिग्री प्रदर्शित करती है।

वर्ष 2003-04 मजबूत विधायक नोट के साथ आरंभ हुआ। लंबी अवधि के औसत से जुलाई 2003 में अत्यधिक वर्षा से और सामान्य मान्सून के कारण संशोधित प्रक्षेपण से इस वर्ष कृषि उत्पाद में यथेष्ट वृद्धि की संभावनाएं तीव्र हुई। फॉर्म उत्पाद में 7.5% की वृद्धि अपेक्षित है। इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान औद्योगिक वृद्धि का परिमापन 5.3% पर हुआ जो पिछले वर्ष की संबद्ध अवधि के दौरान 5.3% था। यह आशा है कि इस वित्तीय वर्ष में औद्योगिक वृद्धि 6.5% होगी। इस वर्ष निर्यात में 9% की वृद्धि होने की संभावना है और उसी अवधि के दौरान आयात में 4.5% की कमी होगी। सेवा क्षेत्र में भी इस वर्ष 7% की वृद्धि दर बनी रहने की अपेक्षा है। इन सभी घटकों के आधार पर इस वर्ष जी डी पी में 6.5% की वृद्धि होने की आशा है। गत वित्त वर्ष के दौरान मुद्रा स्फीति में प्रदर्शित जो बढ़ौतरी की प्रवृत्ति 6.5% पर रुक गयी थी वह दूसरी तिमाही में घटकर 4% हो गयी और कृषि क्षेत्र में होनेवाली पश्चातवर्ती वसूली से मुद्रा स्फीति की वित्त वर्ष के दौरान समान रहने की अपेक्षा है। दूसरी ओर, विश्व अर्थव्यवस्था में सामान्य अनिश्चितता और न्यून वृद्धि और धीमी वसूली का वातावरण प्रदर्शित हो रहा है जिसके कारण हाल के समय में दिखने वाली दीर्घ मंदी पलट सकती है।

साधारण बीमा

अब लगभग तीन वर्ष से बीमा उद्योग खुला हो गया है और वर्तमान में 8 निजी बीमाकर्ता मैदान में हैं जो सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

वर्ष 2002-03 के लिए भारत में उद्योग का सकल प्रीमियम रु. 14303 करोड़ रहा जबकि पिछले वर्ष यह रु. 11335 करोड़ था, यथा, इसमें 26% की वृद्धि दर्ज हुई। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों का शेयर कुल प्रीमियम पर 91% है। फिरभी, मार्केट से एकत्र किया गया प्रीमियम ही स्वयं इसकी अच्छी स्थिति का मानदंड नहीं माना जा सकता। कुछ अन्य सूक्ष्म परिवर्तन है जो कार्पोरेट तथा सामान्य उपभोक्ताओं में भविष्य की वित्तीय सुरक्षा और जोखिम में कमी के लिए बढ़ती जागरुकता को प्रदर्शित करती है।

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

FROM THE CMD's DESK

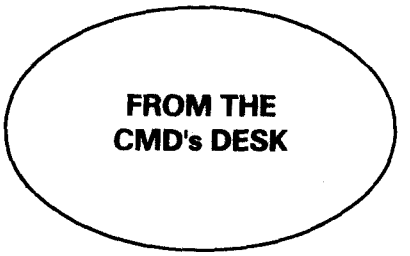

The Indian economy performed reasonably well in 2002-03, inspite of the impact of number of adverse developments during the year, both internally and externally. The recession in developed countries, sluggishness in the world economy during 2003 is attributed to geo-political unrest and threat of terrorism. However, the Indian economy had a growth momentum in manufacturing sector, which registered a growth rate of 6.20% as against 4.00% in the previous year and resurgent growth in service sector, which registered a growth of 7.5% as against 6.3%. These stimulant growths augured well for the economy, but the country experienced its worst draughts in 15 years producing a contraction of real GDP originating from agricultural and allied activities. Despite the intensity of the supply shock to agriculture, the growth of GDP at 4.3% in 2002-03 was symptomatic of resilience and degree of weather proofing of the economy.

The year 2003-04 has begun on a strong positive note. Excessive rain fall relative to 'long period average' in July 2003 and revised projection suggesting a normal mansoon, have brightened the prospect for a substantial agriculture recovery this year. The farm product is expected to grow at 7.5%. The industrial growth measured during the first quarter of this fiscal year is 5.3%, compared to 4.3% in the corresponding period last year. It is expected that an industrial growth of 6.5% will be achieved in this financial year. The exports are projected to grow at 9% this year and imports would grow at a lower rate of 4.5% in the same period . The service sector is expected to maintain its 7% growth during this year also. Based on all these factors, the GDP is expected to grow at 6.5% this year. The inflation which had exhibited a rising trend towards the end of last financial year and had rested at 6.5%, has fallen to 4% as at the end of second quarter and with consequent agricultural recovery the inflation is expected to remain benign through out the fiscal year. On the other hand, the Global economy is exhibiting an environment of generalised uncertainity and low growth with undertone of slow recovery which may reverse the trend of long recession seen in recent times.

GENERAL INSURANCE

It is now almost three years that the Insurance Industry was opened and presently there are 8 private players on the field competing with Public Sector Insurance Companies.

The Gross Premium of the Industry in India for the year 2002-03 was Rs. 14303 crores as aginst Rs. 11335 crores in the previous year, registering a growth of 26%. The share of Public Sector Insurance Companies constituted 91% of the premium. Yet the volume of premium mopped up from the market cannot itself be an indicator of its health. There are other subtle changes that indicate a growing awareness in the psyche of both the corporate and the lay consumers of the need

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की डेस्क से (जारी.)

आगामी 4-5 वर्षों के अंदर उद्योग को अपेक्षा है कि प्रीमियम दुगुना हो जाएगा और प्रीमियम आय का स्तर 2005-06 में बढ़कर 3% के स्तर को प्राप्त कर लेगा जो अब तक 1.6% है ।

भारत में साधारण बीमा उद्योग में चिरप्रतीक्षित संशोधन हुए, यथा, 1-7-2002 से मोटर टैरिफ में संशोधन, 1-10-2002 से स्वास्थ्य क्षेत्र में तृतीय पक्ष प्रशासक, ब्रोकर बिल जिससे बीमा उत्पादों और बैंकाएश्योरेंस में मध्यस्थों के लिए मार्ग प्रशस्त हुआ ।

11 सितंबर, 2001 की घटना से बीमा मार्केट में जो कठिनाईयाँ उपस्थित हुई, वर्ष 2002 के दौरान स्थिति और बिगड़ी । इस घटना ने बीमा कंपनियों की शक्ति और क्षमता की परीक्षा ली । हर निर्धारणकर्ता एजेंसियों द्वारा गहन छानबीन की गयी और अनेक कंपनियां निम्न ग्रेड पर आगयी । यूरोप में बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण यद्दपि कठोर मार्केट में सुधार का कोई लक्षण नहीं दिखायी पड़ता था, कठोरता की डिग्री वर्ग के अनुसार अलग अलग थी ।

अनेक बीमाकर्ताओं ने पुनर्बीमा कारोबार करना बन्द कर दिया अथवा उसमें कटौती कर दी । पूंजी में यह ह्रास, काफी हद तक बरमूडन मार्केट से नयी पूंजी के आगमन से पूरा हुआ । विश्वव्यापी पुनर्बीमाकर्ता आनुपातिक संधि पुनर्बीमा से अपने आप को दूर रखने लगे और जिन्होंने यह कारोबार किया भी उन्होंने घटना-सीमाएं, अर्पण सीमाएं और रिज़र्व अधित्याग जैसे प्रतिबंध लागू किये । उन्होंने ऐसे परिणामों की अपेक्षा की जिससे न्यूनतम निर्धारित आय सुनिश्चित हो । दीर्घ - पुच्छिय बीमा वर्ग में जटिलता बनी रही जिसका कारण दरों में वृद्धि और प्रतिबंधनात्मक शर्तें थी । समग्रत: वर्ष 2002 अनेक कंपनियों और उनके शेयरधारकों के लिए अच्छा परिणाम नहीं ला पाया सिवाय हाल के पूंजीबद्ध पुनर्बीमाकर्ताओं के लिए । विश्व इक्विटी मार्केट में कमी ने अनेक बीमाकर्ताओं और पुनर्बीमाकर्ताओं के परिणामों को प्रभावित किया ।

कुछ हद तक विश्वव्यापी प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए, उद्योग ने प्रीमियम में अच्छा निष्पादन किया यद्दपि उन्हें कुछ जोखिमअंकन हानि हुई । हमारा लाभअर्जन निवेश आय पर आधारित होता है और इसलिए ब्याज दरों में कटौती और कम अर्जन से लाभ पर प्रभाव पड़ेगा । सौभाग्य से उद्योग की ऋणशोधक्षमता काफी आशाजनक है जो विनियमन अपेक्षाओं से दुगुना है । यदि लाभ में होने वाली कमी को परिरक्षित नहीं किया गया तो आगामी समय में ऋणशोधक्षमता पर इसका बुरा असर पड़ेगा । अत: हमें दृढ़ जोखिमअंकन मानकों को अपनाना होगा, कारोबार को लाभदायक क्षेत्र में परिवर्तित करना होगा, प्रीमियम दरों की संरचना वैज्ञानिक ढंग से करनी होगी और हानि नियंत्रक उपायों को क्रियान्वित करना होगा ।

इस प्रकार हमारी अर्थव्यवस्था में अपेक्षित सुधार से, भारतीय बीमा क्षेत्र को चौकन्ना होना पड़ेगा और अपनी पहल में उत्प्लावनता दर्शानी होगी यद्दपि विश्वव्यापी बीमा परिदृश्य में कठोरता आ रही है । समय आ गया है जब हम अपनी कुर्सी के पेटी बांध दें और विवेकशील कारोबार आचार के परिणामों को बचाने के लिए तैयार रहें ।

□□□

www.reportjunction.com